वाज़ा की जीत

वाज़ा शुद्ध-सफ़ेद रंग की एक ऊँटनी थी. वह सेना की ऊँट ब्रिगेड का हिस्सा थी. डर्टीशर्ट डैन ऊंटों से, और विशेषकर वाज़ा से, घृणा करता था. वह खच्चरों का मुख्य चालक था, लेकिन ऊँट खच्चरों से अधिक काम करते थे, इस कारण वह ऊंटों से घृणा करता था.

डर्टीशर्ट डैन ने निश्चय कर रखा था कि वह वाज़ा को अपमानित करेगा. लेकिन जब भी उसने ऐसा करने का प्रयास किया, हर बार कोई न कोई अनहोनी घटना घट जाती थी और वाज़ा जीत जाती थी!

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में दो जहाज़ों में भर कर ऊँट टेक्सास, लाये गये थे. ऊंटों का काम था कैलिफ़ोर्निया तक सेना की रसद वगैरह ले जाना. उस समय के अखबारों में इन ऊंटों के विषय में कई हास्यप्रद समाचार छपे थे, उन्हीं के आधार पर यह कहानी लिखी गयी है.

वाज़ा की जीत

ऊँट यहाँ कैसे आये?

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में अमरीका के रक्षा मंत्री, जेफ़र्सन डेविस, ने दो जहाज़ों में भरकर ऊँट टेक्सास भिजवाये थे. अधिकतर ऊँट मिस्र, टर्की और अरब से लाये गये थे. हाइ जॉली और अन्य ऊँट चालक भी उनके साथ आये थे.

लेफ्टिनेंट बील ने इन ऊंटों का उपयोग कैलिफ़ोर्निया तक सामान ले जाने के लिये किया था. इन ऊंटों के साथ कई हास्यास्पद घटनायें घटीं थीं. कुछ घटनाओं का वर्णन अखबारों में भी छपा था. अन्य घटनाओं की चर्चा कैंपफायर के इर्दगिर्द होती थी. इन्हीं कुछ घटनाओं का वर्णन इस पुस्तक में है.

यह वाज़ा है.
वह ऊँट ब्रिगेड का हिस्सा थी.
हाइ जॉली मुख्य ऊँट चालक था.
वह अपने सब ऊंटों को प्यार करता था.
लेकिन वह सबसे अधिक प्यार शुद्ध-सफ़ेद
ऊंटनी - वाज़ा से करता था.

यह डर्टीशर्ट डैन है.
वह मुख्य खच्चर चालक था.
और वह सब ऊंटों से घृणा करता था.
लेकिन सबसे अधिक घृणा वह वाज़ा से करता था.
एक बार वह उसकी खच्चरों के
बहुत निकट आ गयी.
“दूर हटो मेरे खच्चरों से!’ वह चिल्लाया.
“ओ बदबूदार, नाकारा जानवर!”

हाइ जॉली ने वाज़ा की गर्दन सहलाई.
“उसकी बात मत सुनो,” उसने धीमे से
कहा. “हम जानते हैं कि ऊँट हमारे लिये
कितने आवश्यक हैं.”
और वह थे.
लेफ्टिनेंट बील दो जहाज़ों में ऊँट भर
कर अमरीका लाये थे.
कुछ ऊँट चालक भी साथ आये थे.
यह ऊँट सेना की रसद
वगैरह ले जाते थे.

हर सुबह हाइ जॉली और उसके साथी
ऊंटों पर सामान लाद देते थे. फिर वह सब
अपने गंतव्य की ओर चल पड़ते थे.
बहुत पीछे डर्टीशर्ट डैन अपनी खच्चरों के साथ
आता था. शीघ्र ही सब समझ गये
कि ऊँट खच्चरों की तुलना में
अधिक काम करते थे.
वह अधिक बोझ उठाते थे.
वह बिना पानी के अधिक देर तक चल सकते थे.
और रेगिस्तान में स्वयं
अपने लिये खाना ढूंढ लेते थे.
इसी कारण झगड़ा शुरू हुआ.

डर्टीशर्ट डैन बहुत ईर्ष्यालु था.
वह नहीं चाहता था कि
ऊँट खच्चरों को मात दें. “नहीं, सर!
इन ऊंटों को नीचा दिखाने का
कोई उपाय हमें सोचना होगा.”
उसने अपने साथियों से कहा. “अन्यथा
सेना को हमारी खच्चरों की कोई
आवश्यकता ही न रहेगी.”
उसने खूब सोचा.
फिर एक ऐसी घटना घटी
जिस ने उसे खूब क्रोधित कर दिया.
एक शुष्क दिन, लंबी यात्रा के बाद
ब्रिगेड एक तालाब के पास रुकी.
प्यासी खच्चरें पानी की ओर अंधाधुंध दौड़ पड़ीं.
डर्टीशर्ट डैन ने हाथ हिला कर संकेत किया
और चिल्लाया, “रुको!”
लेकिन खच्चरें भागती रहीं और
तालाब पर पहुँच कर इतना
पानी पी गयीं कि बीमार हो गयीं.

लेकिन ऊँट खच्चरों से ज़्यादा समझदार थे.
जब तक हाइ जॉली ने ऊंटों को
‘पानी का गीत’ नहीं सुनाया,
तब तक उन्होंने पानी नहीं पीया.

तेर्राह! तेर्राह! तेर्राह!

फिर मोटी आवाज़ में गड़गड़ाते हुए
सब ऊँट पानी पीने लगे.
“देखो!” डर्टीशर्ट डैन ने अपने
आदमियों से कहा. “यह मूर्ख, गुलगुले पाँव वाले
जानवर तब तक पानी नहीं पीते
जब तक कि इन्हें बताया न जाए.”
“ऊँट मूर्ख नहीं हैं,” हाइ जॉली बोला.
“यह मेरे गीत समझते हैं.”
“ऊंटों को गीत सुनाना पड़ता है !”
डर्टीशर्ट डैन चिल्लाया.
“यह तो मूर्खता की भी हद हो गयी!”

सारे खच्चर चालक हंसने लगे.
वाज़ा ने मुख्य खच्चर चालक को
घूर कर देखा. फिर उसने
उसके चेहरे पर थूक दिया.
डर्टीशर्ट डैन चीखा, “मैं तुम्हें सबक सिखाऊँगा,
ओ नीच, नाकारा जानवर!”

वाज़ा ने उसकी ओर अपने
पीले दाँत निपोरे. ऊँट चालक हंसने लगे.
उसी पल डर्टीशर्ट डैन ने निश्चय कर लिया
कि वह किसी न किसी तरह
ऊंटों से झुटकारा पा लेगा.
“मैं तुम्हें वहीं वापस भेज कर ही दम लूंगा
जहां से तुम आये हो,
गोल-गर्दन वाले बेहूदा जानवरो.”
उसने अकड़ कर कहा. “नहीं तो
मैं अपना नाम बदल लूंगा.”

उसने चोरी-छिपे ऊंटों के कुछ गीत सीख लिये.
फिर वह उचित अवसर की प्रतीक्षा करने लगा.
आखिरकार, उसे मौका मिल ही गया.
एक भेदिये ने लेफ्टिनेंट बील को बताया की
मवेशियों का एक झुंड केम्प के पास ही था.
“हम उन जानवरों से दूर ही रहेंगे ताकि कोई
झमेला न हो जाए,” लेफ्टिनेंट बील ने कहा.
डर्टीशर्ट डैन धूर्तों समान हंसा.
वह जानता था कि मवेशियों के झुंड के लिये
ऊँट कैसी समस्या खड़ी कर सकते थे.
उस रात रेंगता हुआ वह वाज़ा के पास आया.
उसे देखकर वह गुर्राने वाली ही थी कि
वह ऊँटनी की गर्दन सहलाने लगा.
ऊँटनी को अच्छा लगा. उसने डर्टीशर्ट डैन को
उसके बंधन खोलने दिए.
डैन चुपके से उसे बाहर ले आया.
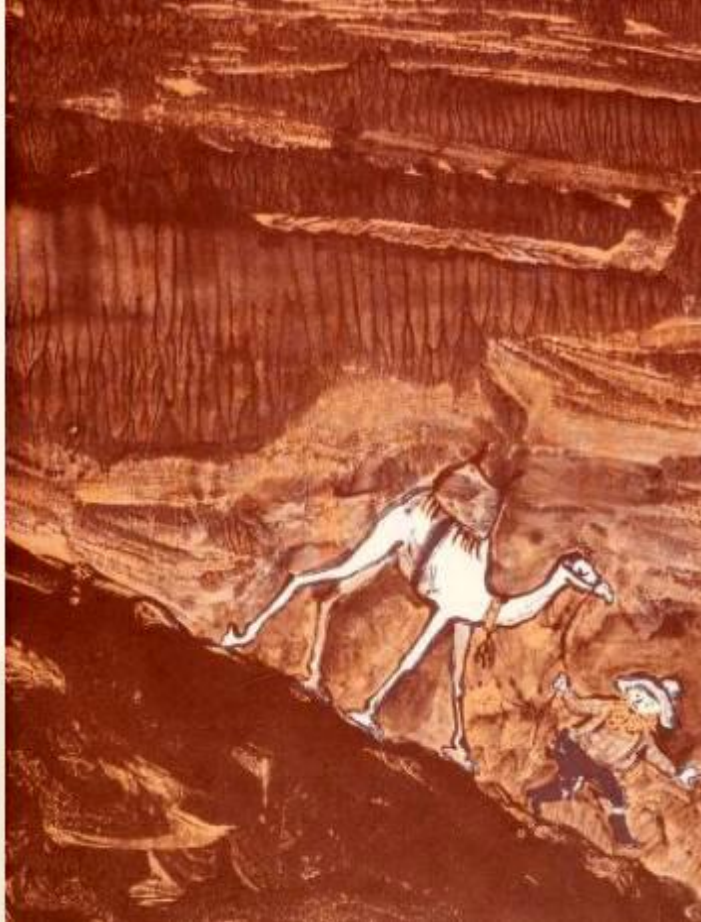
शीघ्र ही वह रुक गये. डर्टीशर्ट डैन ने
ऊँट के घुटने पर छड़ी से थपथपाया.
फिर उसने 'झुकने वाला गीत' गाया,
"ईटीइइइ! ईटीइइइ! ईटीइइइ!"
वाज़ा ने आवाज़ निकाली, "हरूउउम्फ!"
और झुक कर नीचे बैठ गयी.
डर्टीशर्ट डैन उसकी पीठ पर बैठ गया.
वाज़ा ने फिर आवाज़ निकली, "अन्न्न्वहररर!"
और वह खड़े होने लगी.
पहले अगली टाँगे सीधी करीं.
डर्टीशर्ट डैन पीछे गिरते-गिरते बचा.

फिर उसने पिछली टांगें उठाईं.
डर्टीशर्ट डैन आगे लुढ़कते-लुढ़कते बचा.
"कैसा बेढंगा तरीका है
खड़ा होने का!" वह बड़बड़ाया.
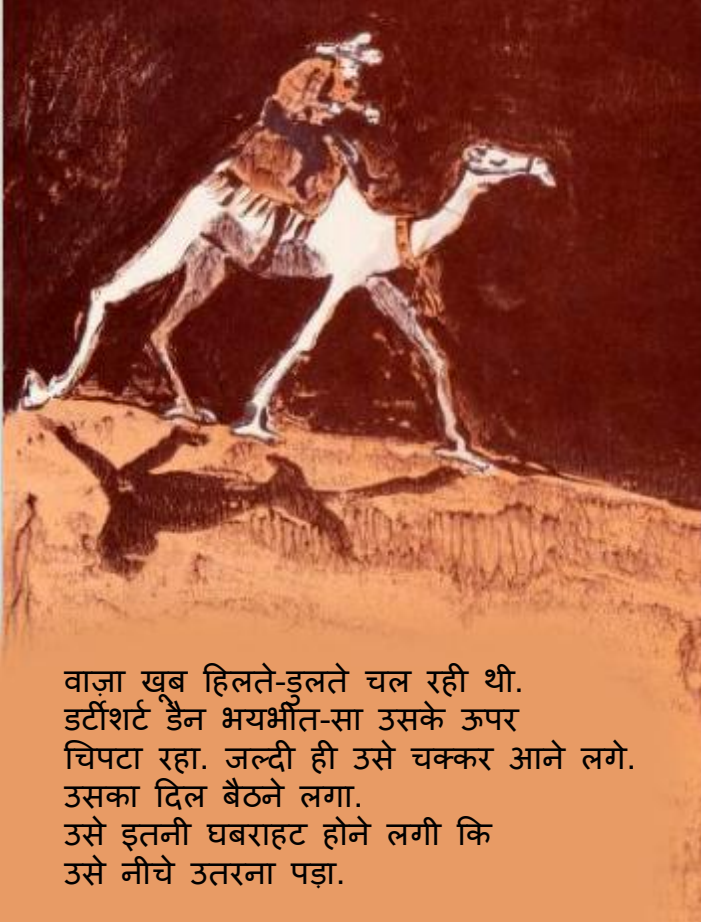
वाज़ा खूब हिलते-डुलते चल रही थी.
डर्टीशर्ट डैन भयभीत-सा उसके ऊपर
चिपटा रहा. जल्दी ही उसे चक्कर आने लगे.
उसका दिल बैठने लगा.
उसे इतनी घबराहट होने लगी कि
उसे नीचे उतरना पड़ा.

वाज़ा सीधे मवेशियों की ओर चलती रही.
हवा ऊंटनी की गंध को मवेशियों तक ले गई.
एक भैंसे ने अपना सिर उठाया, हवा को सूंघा
और ज़ोर से चिल्लाया, “उउउउउम्म्म?”
वह पूरी तरह सूँघ पा रहा था.
बहुत ही अजीब और डरावनी
गंध आ रही थी. उसने सबको चेतावनी दी,
“बाआआआवर्रर.”

एक पल ही में झुंड में भगदड़ मच गई.
सब मवेशी चीख रहे थे, भाग रहे थे.
कुछ भयभीत मवेशियों ने काऊबॉयज़ की
वैगनो को टक्कर मार कर उलट दिया.
काऊबॉयज़ अपने बिस्तर छोड़,
अपने घोड़ों के ओर भागे.
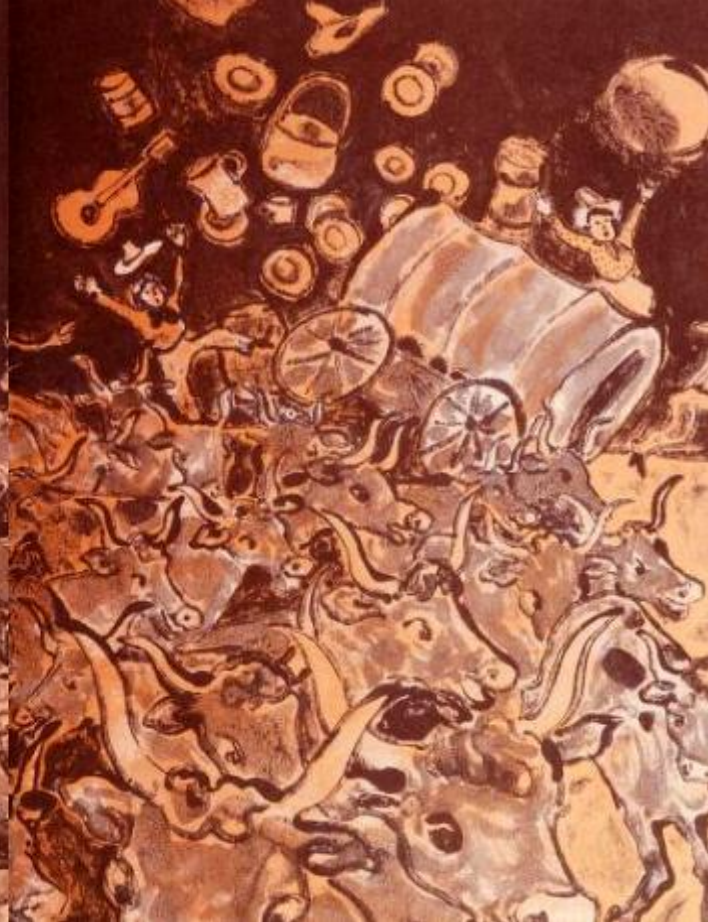
इस उठा-पटक और शोर-शराबे ने
वाज़ा को थका दिया. वह बैठ कर सो गई.
अगली सुबह वाज़ा को देखते ही
फोरमैन समझ गया कि क्या हुआ था.
घोड़े पर सवार होकर वह सीधा
ऊँट-ब्रिगेड की ओर आया.
लेफ्टिनेंट बील पर फोरमैन का
चीखना-चिल्लाना कैंप में हर आदमी ने सुना.
“यिप्पी!” खच्चर चालक ख़ुशी से चिल्लाए.
“ऊंटों की कहानी अब समाप्त हो जायेगी!”
डर्टीशर्ट डैन ने अपनी छाती ठोंक कर कहा,
“मैंने तुम से कहा था कि मैं इन्हें
यहाँ नहीं रहने दूँगा. अब इन पशुओं को
उनके घर वापस भेज दिया जाएगा.”
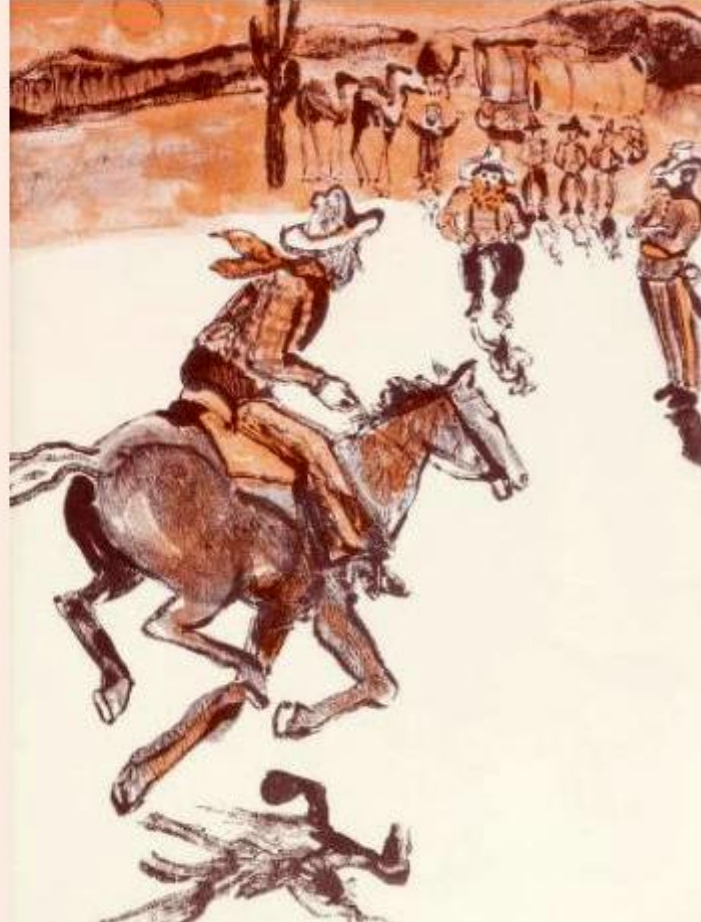
लेकिन नहीं.
उसके बजाय लेफ्टिनेंट बील ने
खच्चर चालकों को आदेश दिया कि
भागे हुए मवेशियों को ढूंढ कर वापस लायें.
कई दिनों तक डर्टीशर्ट डैन
एक सताए हुए सांप की तरह चिढ़ा रहा.
अब वह अगले अवसर की ताक में था.

एक शाम ऊँट ब्रिगेड ने
विंडी गल्च नगर के पास अपना केंप लगाया.
अगले दिन लेफ्टिनेंट बील और हाइ जॉली
सबसे बढ़िया वस्त्र पहन कर
नगर के भीतर गये.

“यही अवसर है,” डर्टीशर्ट डैन ने अपने साथियों से कहा. “मैं उस चालाक ऊंटनी को असली मुसीबत में डालने वाला हूँ.”
वह जानता था कि एक ऊँट किसी नगर में कैसा बवाल खड़ा कर सकता था.
एक बार फिर डर्टीशर्ट डैन वाज़ा को केंप से बाहर ले आया. इस बार वह खच्चर पर सवार हो गया. ऊंटनी को रस्सी से बाँध कर खींचता हुआ वह नगर की ओर ले चला.
नगर के निकट पहुँच कर उसने ऊंटनी को छोड़ दिया. “जाओ विंडी गल्च में अपनी गंध फैलाओ.” वह चिल्लाया.
“ओ रबड़ की गर्दन वाली हड्डियों की पोटली.”
फिर डर्टीशर्ट डैन झटपट नगर के अंदर चला गया. नगर में जो तमाशा होने वाला था उसका वह भरपूर आनंद उठाना चाहता था.
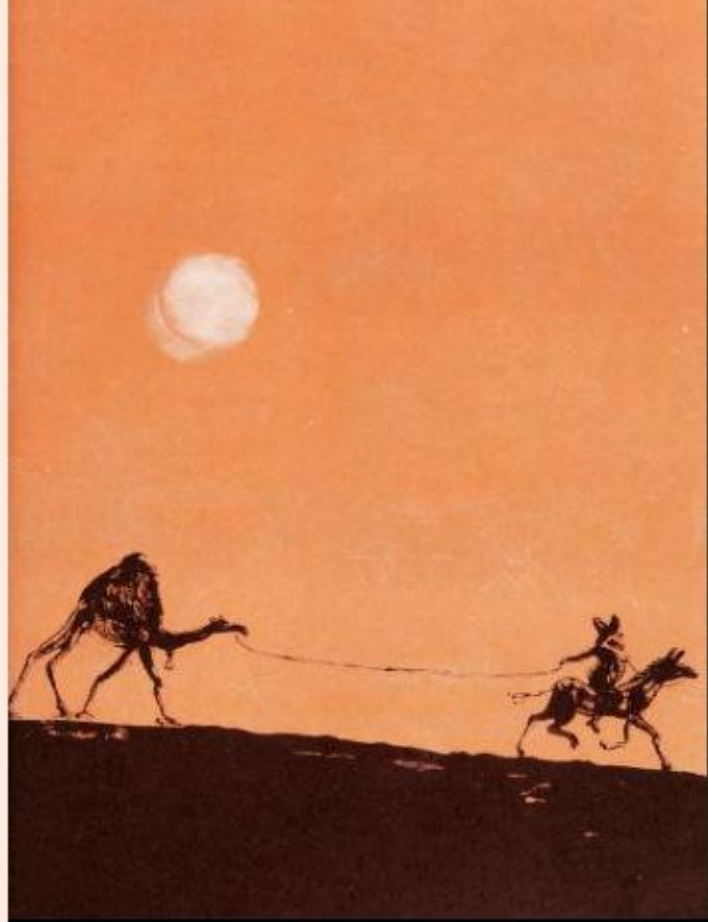
दुपहर का समय था और विंडी गल्च में
सब कुछ शांत था. लेकिन तब तक ही
जब तक कि वाज़ा मुख्य रास्ते पर धीरे-
धीरे चलते हुए नगर में नहीं आ गयी.
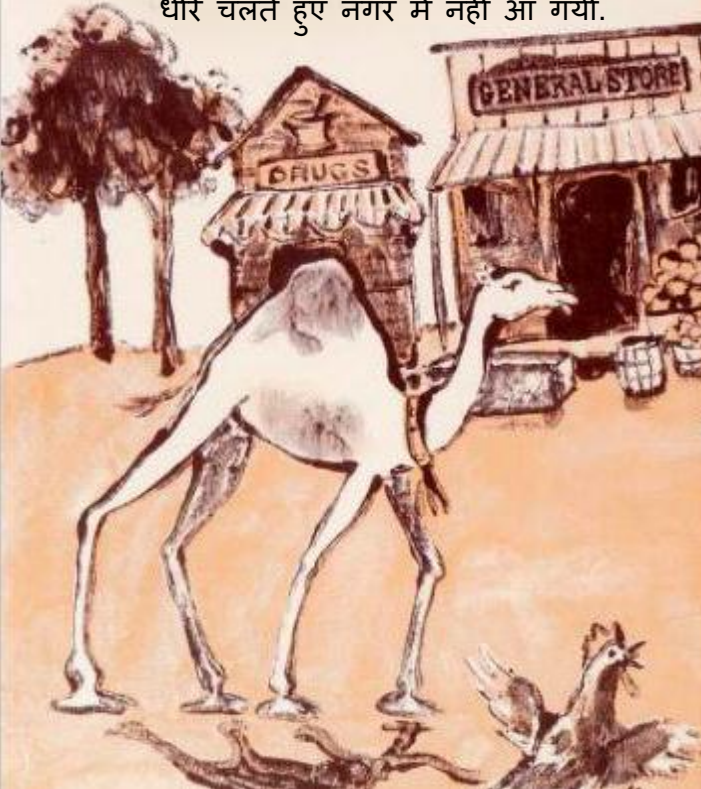
उसके अनोखा आकार और उसकी
गंध ने वहां के पशुओं को डरा दिया.
मुर्गियाँ और सूअर और कुत्ते
यहाँ-वहाँ भागने लगे.

सब घोड़े फुफकारते हुए दौड़ पड़े.
हँसते-हंसते डर्टीशर्ट डैन का तो पेट दुखने लगा.
वाज़ा अचानक बियर-पॉ स्मिथ के स्टोर के
सामने रुक गई.
खच्चर चालक चिल्लाया, “अब रुको मत!”
और उसने ऊंटनी को ज़ोर से मारा.
गुस्से से गरजती हुई वाज़ा, बरामदे के
अंदर कूद गई. उसने खम्बों को गिरा दिया.
धड़ाम्म्म!
बरामदे की छत गिर गई.
“हो! हो! हीईई!” डर्टीशर्ट डैन ने
ज़ोर का ठहाका लगाया.
लेकिन अचानक उसकी हंसी रुक गई.
लकड़ी का एक खम्बा उसके सिर से टकराया.
वह पानी के एक बड़े टब में जा गिरा.

जब थोड़ी शान्ति स्थापित हुई तो
वाज़ा बीच रास्ते में खड़ी थी.
“हे भगवान,” बियर-पॉ स्मिथ चिल्लाया.
“यह कैसा जीव है?”
“बिना सींगों वाला बारहसिंगा लगता है,”
किसी ने कहा.

“यह हो नहीं सकता,” एक छोटा लड़का
चिल्लाया, “लेकिन यह है!
यह तो एक सचमुच का ऊँट है!”

हाइ जॉली वाज़ा के पीछे भागा.
“वाल्लू! वाल्लू! वाल्लू!” वह गा रहा था.
वाज़ा ने अपने स्वामी की आवाज़ सुनी
और बैंक के सामने खड़ी हो गयी.
तभी बैंक का दरवाज़ा धड़ाम से खुल गया
और दो लुटेरे भागते हुए बाहर आये.
उनके पास बंदूकें और पैसों से भरे थैले थे.
वह अपने घोड़ों की ओर दौड़े.
लेकिन घोड़े भाग गये थे. उनकी जगह
एक विशाल, सफ़ेद ऊंटनी खड़ी थी.
लुटेरों की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई.
शेरिफ ने तुरंत कार्यवाही की.
इसके पहले की लुटेरे समझ पाते
कि क्या हुआ था,
वह जेल पहुँच गये.
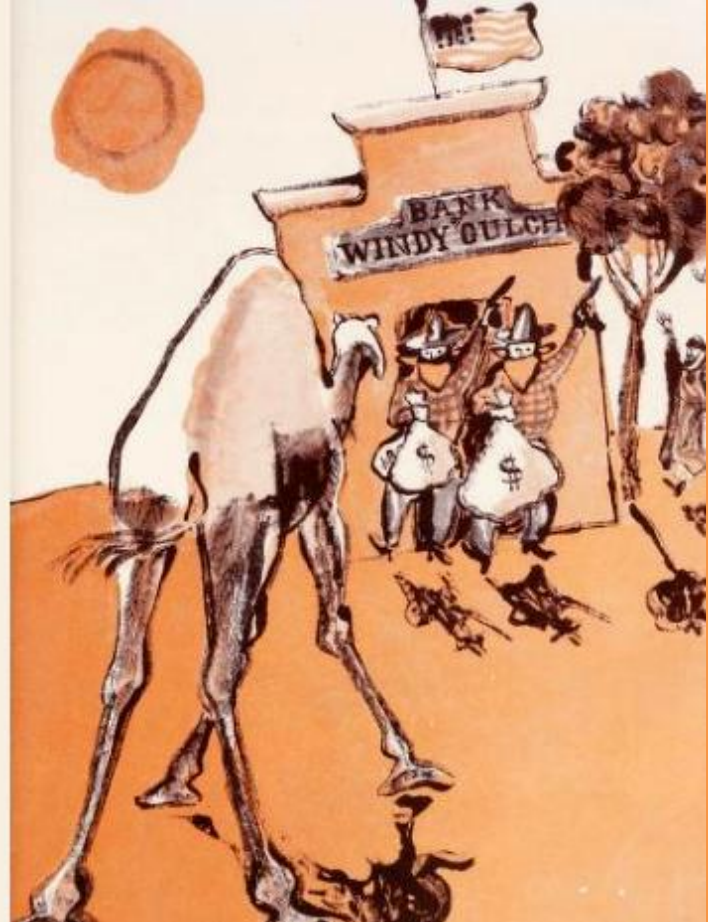
जब डर्टीशर्ट डैन वहाँ आया तो
उसने वाज़ा के आसपास एक भीड़ देखी.
उसने सोचा की वाज़ा बड़ी मुसीबत में
फंस गई थी.
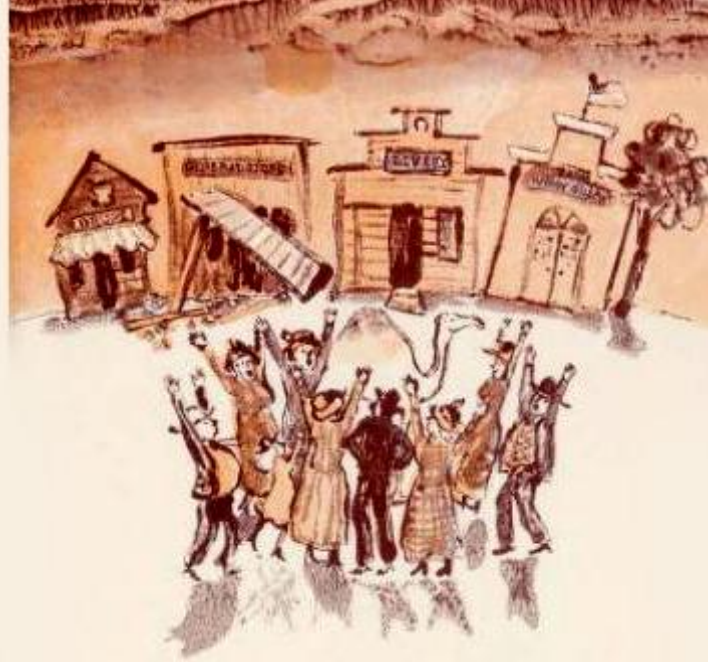
लेकिन यहाँ तो कुछ गड़बड़ थी.
लोग तो वाज़ा की जय-जयकार कर रहे थे.
“हुर्रे! इस ऊँट ने आज हमारे बैंक की रक्षा की!”

डर्टीशर्ट डैन थोड़ा निकट आया.
जब उसने सुना की क्या हुआ था तो उसने
चुपचाप वहां से निकल भागने की कोशिश की.
लेकिन वाज़ा ने उसे देख लिया.
वह बेढंगे तरीके से चलती हुई
अपनी गर्दन मलवाने के लिये
उसके पास आ गई.
डर्टीशर्ट डैन ने उसे घूर कर देखा.
“हटो, दूर हो जाओ,” उसने गुस्से में कहा.
“बदनसीब जानवर.”
लेकिन वाज़ा तो उसके कंधे पर
अपना मुँह रगड़ने लगी.
लेफ्टिनेंट बील ने देखा तो
उसे बड़ा आश्चर्य हुआ.
“अरे, यह तो बहुत ही अच्छी बात है कि
ऊँट तुम्हें इतना पसंद करते हैं!”
उसने डर्टीशर्ट डैन से कहा. “क्योंकि
हाइ जॉली को एक ऊँट चालक
की आवश्यकता है.”
“ओह, नहीं,” डर्टीशर्ट डैन बोला.
“ओह, हां,” लेफ्टिनेंट बील ने कहा.
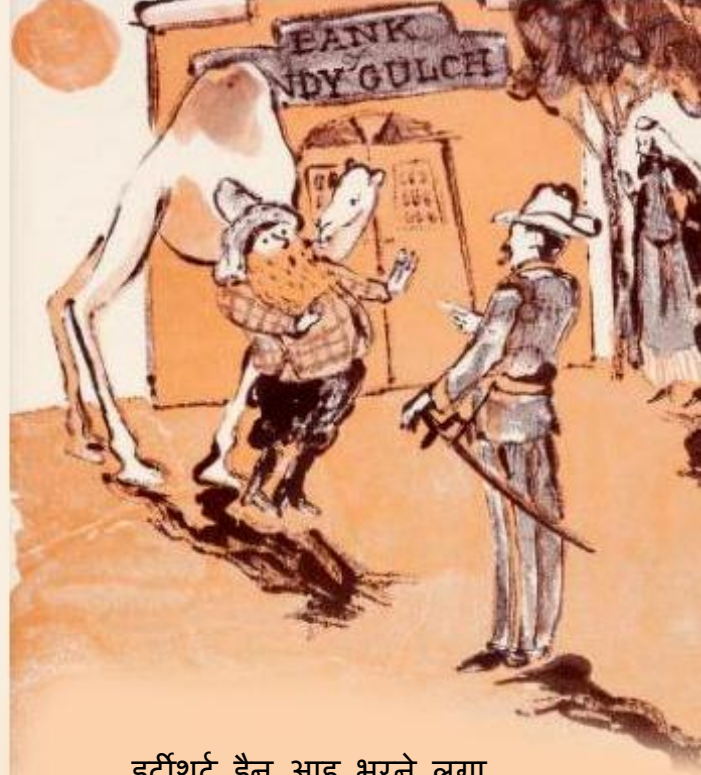
डर्टीशर्ट डैन आह भरने लगा.
वह जानता था कि केंप में सब
उसकी खूब खिल्ली उड़ायेंगे.

वह अपनी खच्चर पर सवार हो कर
वहां से नौ सो ग्यारह हो गया.
ऊँट ब्रिगेड ने फिर उसे कभी नहीं देखा.
उसने इस बात का पक्का प्रबंध
जो कर लिया था.
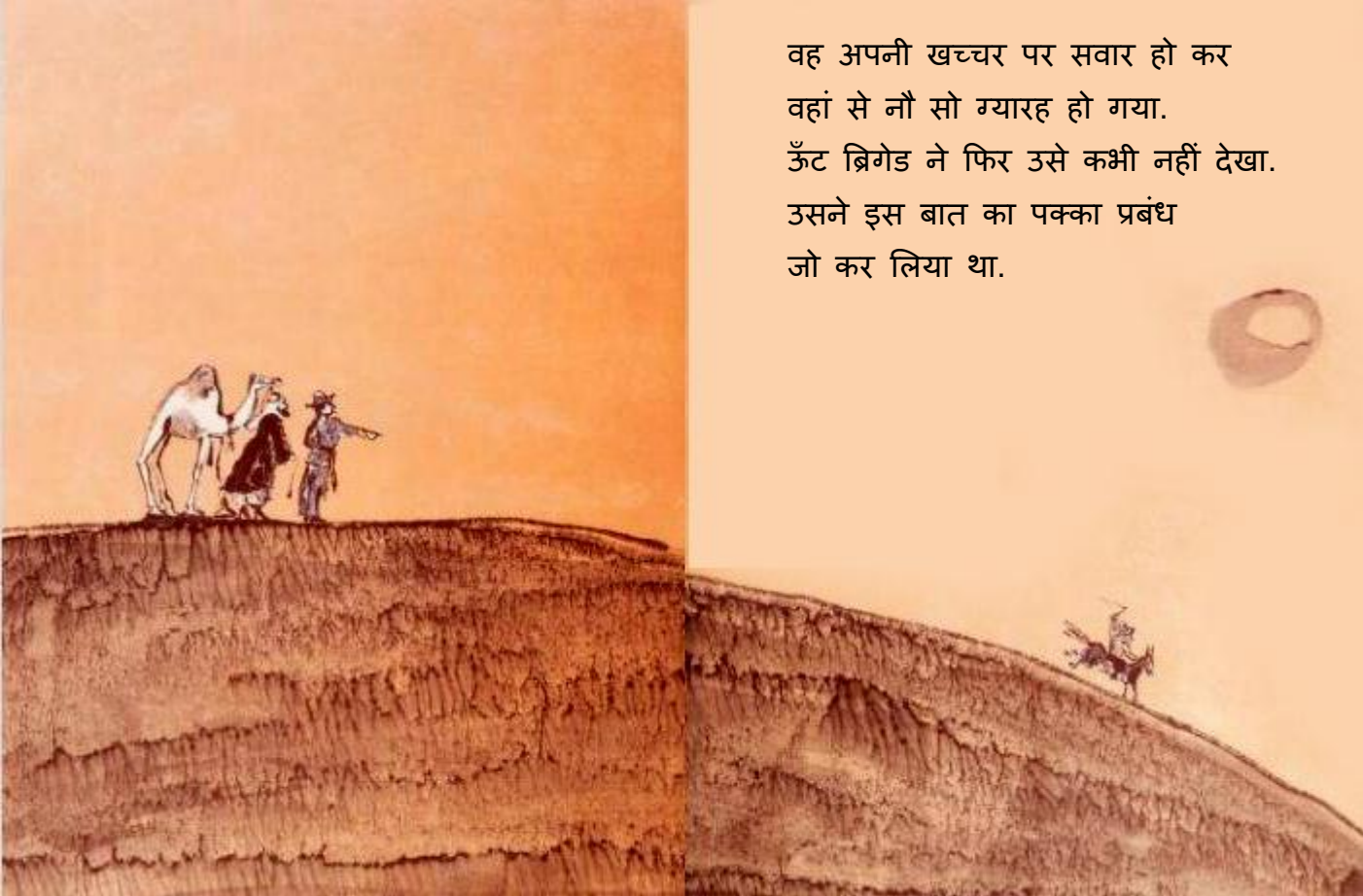
बाद में ऊंटों का क्या हुआ?

उसके दस साल बाद अमरीकी सरकार ने ऊंटों का उपयोग करना बिल्कुल बंद कर दिया. कई ऊंटों को बेंच दिया गया और बाकी ऊंटों को दक्षिण-पश्चिमी रेगिस्तान में छोड़ दिया गया.

वाज़ा, एरिज़ोना के रेगिस्तान में लम्बी उम्र तक जीवित रही. हाइ जॉली अमरीका में ही रहा. 1902 में उसका देहांत हुआ. उसकी कब्र को आप आज भी क्वार्टज़ीट, एरिज़ोना में देख सकते हैं. कब्र एक पत्थर की पिरामिड के आकार में बनी है और उसके ऊपर एक धातु का ऊँट बना है.